Q निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. जनजातीय कार्य मंत्रालय ने 'जनजातीय उपयोजना- के लिए विशेष केंद्रीय सहायता' को नया रूप दिया है।
2. इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण जनजातीय आबादी वाले गांवों को मॉडल गांव (आदर्श ग्राम) में रूपांतरित करना है।
3. इसमें जरूरतों, क्षमता और आकांक्षाओं के आधार पर ग्राम विकास योजना तैयार करना शामिल है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: d
व्याख्या:

- जनजातीय कार्य मंत्रालय ने 2021-22 से 2025-26 के दौरान कार्यान्वयन के लिए 'प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना (पीएमएजीवाई)' नामकरण के साथ 'जनजातीय उप-योजना (एससीए से टीएसएस) के लिए विशेष केंद्रीय सहायता' की मौजूदा योजना को नया रूप दिया है।
- इसका उद्देश्य 4.22 करोड़ (कुल जनजातीय आबादी का लगभग 40 फीसदी) की जनसंख्या को कवर करने वाले महत्वपूर्ण जनजातीय आबादी वाले गांवों को मॉडल गांव (आदर्श ग्राम) में रूपांतरित करना है।
- इसमें जरूरतों, क्षमता और आकांक्षाओं के आधार पर ग्राम विकास योजना तैयार करना शामिल है।

Q निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. पटना बिहार का सबसे प्रदूषित शहर है।
2. बिहार में एक्यूआई खराब होने का मुख्य कारण धूल है।
3. एक्यूआई 0 से 50 के बीच अच्छा माना जाता है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: b
व्याख्या:

- जँहा देश के अधिकांश हिस्सों में तापमान गिर रहा है, वही अधिकांश शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभीर से ऊपर बना हुआ है।
- सर्वाधिक वायु प्रदूषण वाले 10 शहरों की सूची में छह बिहार के हैं।
- सहरसा को 366 के वायु गुणवत्ता सूचकांक के साथ देश का सबसे वायु प्रदूषित शहर माना जाता है, जो दमा की समस्या वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

- धूल इन शहरों में AQI के बिगड़ने का मुख्य कारण है।
- शहरों का बेढंग से विकास, सड़क निर्माण, भवन निर्माण, रेत और मिट्टी को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के कारण राज्य के शहरों में वायु गुणवत्ता में गिरावट के प्रमुख कारण हैं।
- इसके परिणामस्वरूप पीएम (पार्टिकुलेट मीटर) 2.5 और पीएम 10 का स्तर सामान्य दिनों की तुलना में पांच और तीन गुना बढ़ गया।
- एक्यूआई को इसकी रीडिंग के आधार पर छह कैटेगरी में बांटा गया है .0 और 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बेहद खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है।

Q: निम्नलिखित में से कौन सा गैर-जीवाश्म स्रोतों में से नहीं है?

a) ग्रीन हाइड्रोजन
b) ग्रीन अमोनिया
c) जलविद्युत
d) इथेनॉल

उत्तर: c

व्याख्या:

- गैर-जीवाश्म स्रोतों के दो घटक हैं: एक अक्षय ऊर्जा (सौर, पवन, जल विद्युत और बायोमास) है, और दूसरा परमाणु ऊर्जा है।
- गैर-जीवाश्म स्रोत ऊर्जा और फीडस्टॉक के लिए हैं, जिनमें ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया, बायोमास और इथेनॉल शामिल हैं।

Q: अंडमान स्मूथ हाउंड के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. अंडमान स्मूथहाउंड ओवरफिशिंग के कारण विलुप्त होने के जोखिम का सामना कर रही है।
2. इसे रेड लिस्ट में वल्नरेबल के तौर पर शामिल किया गया है।
3. यह नई प्रजाति वर्तमान में केवल अंडमान सागर से और भारत के लिए स्थानिक रूप से जानी जाती है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: d

व्याख्या:

- अंडमान स्मूथहाउंड शार्क (Andaman Smoothhound Shark) भी खतरे मे हैं. ये शार्क अंडमान सागर, पूर्वी हिंद महासागर, म्यांमार, थाईलैंड, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के आसपास मिलती है.

- ये जिस गहराई में रहती है, उसी गहराई में सबसे ज्यादा मछली पकड़ी जाती है. इसकी प्रजाति तेजी से खत्म हो रही है. यह छोटी शार्क है, जिसकी खोज ही पिछले साल हुई थी. तब इसे अंडमान स्मूथहाउंड फिश नाम दिया गया था.
- अंडमान स्मूथहाउंड ओवरफिशिंग के कारण विलुप्त होने के जोखिम का सामना कर रही है। मछली और मछली के मांस की बढ़ती मांग एक प्रमुख कारण है। यह नई प्रजाति वर्तमान में केवल अंडमान सागर से और भारत के लिए स्थानिक रूप से जानी जाती है।

Q: येलो हिमालयन फ्रिटिलरी प्लांट के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. भारतीय हिमालय में, असंगठित फसल के कारण प्रजातियों को खतरा है।
2. इसे गंभीर रूप से संकटग्रस्त के रूप में रेड लिस्ट में शामिल किया गया है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: a
व्याख्या:

- फ्रिटिलारिया सिरोसा (येलो हिमालयन फ्रिटिलरी) लिली परिवार की जड़ी-बूटी के पौधे की एक एशियाई प्रजाति है।
- यह चीन, तिब्बत, नेपाल, पाकिस्तान, भारत, भूटान तथा म्यांमार में पाई जाती है।
- आकलन की अवधि (22 से 26 वर्ष) के दौरान इसकी आबादी लगभग 30% की गिरावट दर्ज की गयी।
- गिरावट की दर, खराब अंकुरण क्षमता, उच्च व्यापार मूल्य, व्यापक कटाई और अवैध व्यापार को ध्यान में रखते हुए। इस प्रजाति को IUCN की रेड लिस्ट में 'कमजोर' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।